

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR
SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR.



Name of the Faculty - **Faculty Of Humanities**

Syllabus for the Subject

Pali

M.A. I

(Semester I & II)

With effect from **June- 2020**

PALI - M.A. Part -I [SEM-I & II] From 2020-21

1) Preamble:

Pali language is one of the three classical languages of India, which transmit the cultural, social, and philosophical thoughts. The study of Pali language is not only important but an imperative to have a clear and objective grasp of Indian history and linguistics.

The Board of Studies should briefly mention foundation, core and applied components of the Pali course/paper. The student should get into the prime objectives and expected level of study and advance knowledge at examination with required outcome in terms of basic level.

GENERAL OBJECTIVES OF THE COURSE/ PAPER/:

- To acquaint with the Pali language, its different roots and Grammar.
- To Study the life and work of Indian ancient Pali Tipitakas.
- To Study different types of Pali Literature and Buddhist Philosophy.
- To introduce the Literature in Pali Language
- To introduce the scientific knowledge in Pali Language.
- To introduce the philosophy in Pali Language
- To inculcate language related skills

PUNYASHLOK AHILYA DEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY

School of Languages and Literature

M.A. Part – I [SEM-I &II] PALI

Choice Based Credit System

w.e.f. 2020-21

| Semester | Code | Title of the Paper | Semester Exam | | | L | T | P | Credits |
|----------------|------------|--|---------------|------------|--------------|-----------|----------|----------|-----------|
| | | First Semester | Theory | IA | Total | | | | |
| Subject | | Hard Core | | | | | | | 15 |
| HCT | 1.1 | पाली भाषा आणि तिचे महत्त्व | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| HCT | 1.2 | पाली व्याकरण -१ | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| HCT | 1.3 | पाली साहित्याचा इतिहास | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | DSE | DSE (Discipline Specific Elective) A (Any One) Optional | | | | | | | 5 |
| DSE | 1.1 | सुत्तपिटक- दीघनिकाय-महापरिनिब्बानसुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| DSE | 1.2 | विनयपिटक-महावग्ग-महाक्खन्धक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| DSE | 1.3 | सुत्तपिटक- दीघनिकाय-सोणदण्डसुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| DSE | 1.4 | विनयपिटक-महावग्ग-उपोसथक्खन्धक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | | Soft Core B (Any one) Optional | | | | | | | 5 |
| SCT | 1.1 | सुत्तपिटक- दीघनिकाय-महानिदानसुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| SCT | 1.2 | विनयपिटक-महावग्ग-वर्षोपनायिकाक्खन्धक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| SCT | 1.3 | सुत्तपिटक- दीघनिकाय-अंबठसुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| SCT | 1.4 | विनयपिटक-महावग्ग-प्रवारणाक्खन्धक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | | Total | 400 | 100 | 500 | 20 | 5 | 0 | 25 |
| | | II Semester | | | | | | | |
| Subject | | Hard Core | | | | | | | 15 |
| HCT | 2.1 | संयुक्त निकाय-सगाथवग्ग | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| HCT | 2.2 | पाली व्याकरण -२ | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| HCT | 2.3 | खुद्दकनिकाय-धम्मपद,-प्रथम पाच वग्ग; सुत्तनिपात-निवडक सुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | | Soft Core A (Any one) Optional | | | | | | | 5 |
| SCT | 2.1 | सुत्तपिटक- मज्झिमनिकाय-निवडक सुत्त | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |

| | | | | | | | | | |
|-----|-----|--|------------|------------|------------|-----------|----------|----------|-----------|
| SCT | 2.2 | विनयपिटक-चुल्लवग्ग- कम्मखण्डक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| SCT | 2.3 | विनयपिटक-चुल्लवग्ग- पारिवासिक खण्डक | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| SCT | 2.4 | अंगुत्तरनिकाय-एक निपात | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | | Generic Elective (Any one) Opt. | | | | | | | 5 |
| OET | 2.1 | बौद्ध संस्कार पाठ -अभ्यास | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| OET | 2.2 | बौद्ध संस्कृती | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| OET | 2.3 | बौद्धधम्मसंगतीचा इतिहास | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| OET | 2.4 | बौद्ध मूर्तिकला | 80 | 20 | 100 | 4 | 1 | 0 | 5 |
| | | Total | 400 | 100 | 500 | 20 | 5 | 0 | 25 |

L = Lecture

T = Tutorials

P = Practical

5 Credits of Theory = 4 Hrs. of Teaching per Week

**PUNYASHLOKAHILYADEVVI HOLKAR
SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
School of Languages and Literature
M.A. Pali
Choice Based Credit System
M.A. Part –I [SEM-I &II] PALI. 2020-21**

Semester I

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|------------|--|---------------|
| Unit No. 1 | HCT 1.1: पालि भाषा आणि तिचे महत्व | Lectures : 15 |
| | 1)पालि भाषेची ओळख 2) पालि भाषा म्हजे काय.. | |

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| | 3) पालि शब्दाची उत्पत्ती. | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) पालि भाषेचा मूळ प्रदेश. 2)पालि भाषेचा इतर भाषेशी संबंध. 3) पालि भाषेचा इतर भाषेवर प्रभाव. | |
| Unit No.3 | | Lectures : 15 |
| | 1)पालि भाषेचे महत्व. 2) पालि भाषेचे आधुनिक भाषेत प्रभाव. (मराठी, हिंदी, इंग्रजी, उर्दू...इत्यादी 3)पालि भाषा शिकण्याचे फायदे. | |
| Unit No.4 | | Lectures : 15 |
| | 1) पालि भाषेची शैलीऽ 2) पालि भाषेची वैशिष्ट्ये 3) पालि भाषेचा प्रवास....(प्राचिन काळापासून ते आधुनिक काळापर्यंत.) | |

संदर्भ ग्रंथ:-

- 1) पालि साहित्याचा इतिहास.. डॉ. ग. वा. तगारे. कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
- 2) पालि साहित्य का इतिहास....डॉ. भरतसिंह उपाध्याय. प्रयाग-1994.
- 3) बौद्ध धर्म के 2500 वर्ष.. पी. वी, बापट

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | HCT 1.2: पालि व्याकरण-1 | Lectures : 15 |
| | 1)पालि वर्ण- वर्णमाला—वर्णपरिवर्तन— 2)पालि स्वर - स्वर परिवर्तन— 3)अठ्ठखडी -व्यंजन- व्यंजन रूपांतर 4)जोडाक्षरे-- परिवर्तन | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1)शब्द— शब्दाचे प्रकार,,--परिवारवाचक व शरिरावयव वाचक शब्द. 2) नाम—सर्वनाम— संख्यावाचक सर्वनाम 3)पुरुष-,लिंग-, व वचन-,काळ 4)क्रियापद-धातु-- | |

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1)अव्यय—अव्ययाचे प्रकार.. उपसर्ग..हेत्वर्थक अव्यय, पूर्वकालवाचक अव्यय, तद्धिन्तान्त अव्यय, रुढी अव्यय.. 2)समास—समासाचे प्रकार--विग्रह 3)संधी—संधीचे प्रकार—स्वर-सन्धी, व्यंजन-सन्धी, निग्गहित- सन्धी. | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1)विभक्ती—विभक्तीकारक—विभक्ती प्रत्यय 2)विशेषणे 3)रूप ओळखणे.. 4)शब्द चालवणे.. | |

- संदर्भ पुस्तके: 1) पालि व्याकरण---भिक्खु धर्मरक्खित- वाराणशी- 1986
2) पालि महाव्याकरण—भदन्त जगदिश कश्यप
3) 31 दिन में आवश्यक पालि—भदन्त आनन्द कौसल्यायन

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | HCT 1.3: पालि साहित्याचा इतिहास | Lectures : 15 |
| | 1)पालि भाषेचा उगम व स्थान 2)पालि भाषेचा विकास 3)पहिल्या तीन धम्मसंगती (प्रथम धम्मसंगति, द्वितीय धम्मसंगति, ततिय धम्मसंगति) | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1)पालि साहित्य—पालि साहित्याची निर्मिती. 2)तिपिटक साहित्य—तिपिटक साहित्याची निर्मिती (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) 3)पालि साहित्याचे वर्गिकरण 4)अनुपिटक साहित्य: तिपिटकोत्तर साहित्य निर्मिती | |
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1)अनुपिटक-अनुपालि (नेत्तिपकरण, पेटकोपदेस, मिलिन्द प्रश्न.) 2)अठ्ठकथा साहित्य—(महाअठ्ठकथा, महापच्चरि, कुरुंदी, अंधठ्ठकथा, संक्षेप अठ्ठकथा, समान अठ्ठकथा, लिनत्थपकासिनि.. 3)अठ्ठकथा साहित्यकार—(बुध्दघोषाचार्य, बुध्ददत्त, धम्मपाल, सारिपुत्र, सुमंगल, धर्मकिर्ती, बुध्दरक्खित, मेधकर... | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |

| |
|--|
| 1) वंस साहित्य—वंस साहित्याची निर्मिती व काळ (दिपवंस, महावंस, चुलवंस, बुद्धघोसुप्पति, सध्दम्मसंगह, संदेसकथा, महाबोधिवंस, थुपवंस, अत्यनगलविहारवंस, दाठावंस, सासनवंस.. 2) शिलालेख---अभिलेख साहित्य— (सम्राट अशोकाचे शिलालेख, ताम्रपट, नाणे, शिक्के, गुहालेख, प्रस्तरलेख.. सम्राट अशोकाच्या लेखातील ब्राम्हि लिपीचे स्वरूप.. अशोकाचे लेखांचे विस्तार.. |
|--|

- संदर्भ ग्रंथ: 1) प्राचीन अभिलेख संग्रह... डॉ. श्रीराम गोयल.
2) History of Indian Literature.. Maurice Winternitz.
3) पुराभिलेख विद्या... डॉ. शोभना गोखले.

DSE (Discipline Specific Elective) A (Any One) Optional

DSE 1.1: सुत्तपिटक—दीघनिकाय—महापरिनिब्बानसुत्त

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|------------|--------------------------------------|---------------|
| Unit No. 1 | 1) महापरिनिब्बानसुत्ताची पार्श्वभूमी | Lectures : 15 |
| | 2) पठम भाणवारो—अरियसच्चकथा | |
| Unit No. 2 | 3) द्वितीय भाणवारो—निमित्तोभासकथा | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 4) तृतीय भाणवारो—नागापल्लोकिंतं | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 5) चतुर्थो भाणवारो--यमकसाला | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) दीघनिकाय—भदन्त जगदिश कश्यप. नवनालंदा प्रकाशन.
2) दीघनिकाय—मराठी भाषांतर—सी. व्ही. राजवाडे
3) दीघनिकाय पालि— VRI— Igatpuri

DSE 1.2: विनयपिटक—महावग्ग—महाखण्डक

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|------------|--|---------------|
| Unit No. 1 | 1) महाखण्डक—बुद्धाचा प्रथम प्रवास- बोधिकथा | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) वाराणसि—पंचवगिय पब्बजा- | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) उरुवेला—कस्सप बंधूंची पब्बजा- | Lectures : 15 |

| | | |
|-------------------|----------------------------------|----------------------|
| Unit No. 4 | 4)गया—सारिपुत्त –मोगलायन पब्बजा. | Lectures : 15 |
|-------------------|----------------------------------|----------------------|

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायनच – वाराणशी- 1994
- 2) विनयपिटक - भदन्त जगदीश कश्यप.

DSE 1.3: सुत्तपिटक- दीघनिकाय-सोणदण्डसुत्त

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) दीघनिकाय —बुद्धाचा अंग देशाचा प्रवास | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2)ख-या ब्राम्हणाचे गुणधर्म | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3)सोणदण्ड आणि बुद्धाचा संवाद- | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4)सोणदण्डाचे बुद्धास शरण . | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1)दीघनिकाय—भदन्त जगदीश कश्यप. नवनालंदा प्रकाशन.
- 2)दीघनिकाय—मराठी भाषांतर—सी.व्ही. राजवाडे.

DSE 1.4: विनयपिटक-महावग्ग-उपोसथक्खन्धक

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) राजग्रह- उपोसथ विधान | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) पातिमोक्ष- आणि पुर्व कृत्य | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) असाधारण अवस्थेतील उपोसथ | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) उपोसथाचे काळ,स्थान,आणि व्यक्तिसंबंधी नियम. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायन. – वाराणशी- 1994
- 2) विनयपिटक - भदन्त जगदीश कश्यप.
- 3) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायन-, कार्पोरेट बॉडी, तायवान.

Soft Core B (Any one) Optional

SCT 1.1: सुत्तपिटक- दीघनिकाय-महानिदानसुत्त

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) महानिदान सुत्ताची पार्श्वभूमी | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) प्रतित्यसमुत्पाद आणि आनंदाची अनुभूति | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) बुद्धांचे आनंदास उपदेस | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) आत्म्याचे प्रतिपादन उपदेस. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1)दीघनिकाय—भदन्त जगदीश कश्यप.- नवनालंदा प्रकाशन
- 2)दीघनिकाय—मराठी भाषांतर—सी.व्ही. राजवाडे.
- 3)दीघनिकाय पालि— VRI— Igatpuri

SCT 1.2 विनयपिटक-महावग्ग-वर्षोपनायिका क्खन्धक

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) राजग्रह- वर्षावास- व्याख्या- काळ | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) वर्षावास काळातील- सप्ताह प्रवास | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) वर्षावास करण्याचे स्थान. | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) स्थान परिवर्तनाची सदोषता आणि निर्दोषता. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायन-, कार्पोरेट बॉडी, तायवान.
- 2) विनयपिटक - भदन्त जगदीश कश्यप.
- 3) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायन – वाराणशी- 1994

SCT 1.3 : सुत्तपिटक- दीघनिकाय-अंबठसुत्त

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) भ.बुद्धांचे कोशल देश दौरा.. | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) पोखरसादी ब्राम्हण आणि त्याचा शिष्य.. | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) अंबठू आणि बुद्धांचा संवाद | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) अंबठूाचा बुद्धास सदाचाराविषयी प्रश्न. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

1)दीघनिकाय—भदन्त जगदीश कश्यप. नवनालंदा प्रकाशन

2)दीघनिकाय—मराठी भाषांतर—सी.व्ही. राजवाडे.

SCT 1.4 : विनयपिटक-महावग्ग-प्रवारणा क्वन्धक

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) श्रावस्ती- प्रवारणा- स्थान, काळ, व्यक्तिसंबंधी नियम | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) नियम विरुद्ध प्रवारणा | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) असाधारण प्रवारणा | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) प्रवारणा तिथित वाढ करणे. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

1) विनयपिटक--- पंडित राहुल सांकृत्यायन – वाराणशी- 1994

2) विनयपिटक - भदन्त जगदीश कश्यप.

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR
SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
School of Languages and Literature
M.A. Part –I [SEM-I &II] PALI
Choice Based Credit System
2020-21

Semester II

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | HCT 2.1: संयुक्त निकाय-सगाथवग्ग | Lectures : 15 |
|-------------------|--|----------------------|

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| | 1) संयुक्त निकाय-सगाथवग्ग — परिचय 2) देवता संयुक्त 3) देवपुत्र संयुक्त | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) कोसल संयुक्त 2) मार संयुक्त 3) भिक्खुणी संयुक्त | |
| Unit No.3 | | Lectures : 15 |
| | 1) बम्हा संयुक्त 2) बाम्हण संयुक्त 3) वंगीस संयुक्त | |
| Unit No.4 | | Lectures : 15 |
| | 1) वन संयुक्त 2) यक्ख संयुक्त 3) सक्क संयुक्त | |

संदर्भ पुस्तके: 1.संयुक्त निकाय...VRI इगतपुरी-1998

2. संयुक्त निकाय.. अनु. डॉ. भदंत जगदीश काश्यप- 1956

3. संयुक्त निकाय.. अनु. स्वामी द्वारिकाधिश शास्त्री- 2002 वाराणशी.

Max. Mark: 80

HCT 2.2: पालि व्याकरण-2

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | HCT 2.2: पालि व्याकरण-2 | Lectures : 15 |
| | 1) पालि अंकमाला— 2) धातुसाधित विशेषणे 3) भाषांतर | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) निबंधलेखन 2) पशु- पक्षी यांची पालि भाषेतिल नावे 3) वृक्ष- वेली यांची पालि भाषेतिल नावे 4) फ़ळ-फ़ळावळे—भाजीपाला यांची नावे | |

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1) भांडी- विविध वस्तु यांची पालित नावे 2) अन्नधान्य –खाद्यपदार्थ यांची पालित नावे 3) स्थळे—कर्यालये यांची पालित नावे 4) व्यवसाय—व्यापार यांची पालित नावे | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1) शारिरीक अवयव व आजार यांची पालित नावे 2) कच्चायन व्याकरणकार- 3) मोग्गलान व्याकरणकार 4) सद्दनिती.. | |

संदर्भ पुस्तके:

- 1) पालि व्याकरण---भिक्षु धर्मरक्खित
- 2) पालि निबंधावली— डॉ. हरिशंकर शुक्ला.
- 3) 31 दिन में आवश्यक पालि— भदन्त आनन्द कौसल्यायन.

HCT 2.3: खुद्दकनिकाय-धम्मपद,-प्रथम पाच वर्ग

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | HCT 2.3: खुद्दकनिकाय-धम्मपद,-प्रथम पाच वर्ग | Lectures : 15 |
| | 1) खुद्दक निकाय— परिचय 2) धम्मपद— परिचय 3) धम्मपद- यमकवग्गो अपमादवग्गो | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) धम्मपद— अपमादवग्गो चित्तवग्गो 2) धम्मपद— पुप्फवग्गो 3) धम्मपद—बाल वर्गो | |
| Unit No.3 | | Lectures : 15 |

| | | |
|------------------|--|----------------------|
| | 1) सुत्तनिपात—परिचय 2) धनियसुत्त 3) कसिरभारद्वाज सुत्त | |
| Unit No.4 | | Lectures : 15 |
| | 1) पराभव सुत्त 2) वसल सुत्त 3) मेत्तसुत्त | |

संदर्भ ग्रंथ:-

- 1) धम्मपद - भदन्त आनन्द कौसल्यायन 2) धम्मपद - डॉ. बी. जी. बापट.
3) सुत्तनिपात--- धम्मानन्द कोसम्बी. 4) सुत्तनिपात--- भिक्खु धर्मरत्न

Soft Core A (Any one) Optional

SCT 2.1: सुत्तपिटक—मज्झिमनिकाय (निवडकसुत्त)

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|-----------------------|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) निवडकसुत्त – परिचय | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) बोधिराजकुमार सुत्त | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) रठुपाल सुत्त | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) मखादेव सुत्त | Lectures : 15 |

SCT 2.2: विनयपिटक—चूलवग्ग (कम्मखन्दक)

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) तज्जनिय कम्म | Lectures : 15 |
|-------------------|-----------------|----------------------|

| | | |
|-------------------|---------------------|----------------------|
| Unit No. 2 | 2) नियस्स कम्म | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) प्रबज्जनिय कम्म | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) प्रतिसारनिय कम्म | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) मज्झिमनिकाय - भदन्त जगदीश कश्यप. नवनालंदा प्रकाशन.
- 2) विनयपिट्क - राहुल सांकृतायन- वाराणशी- 1994
- 3) मज्झिमनिकाय - VRI— Igatpuri .Ed.
- 4) विनयपिट्क - भदन्त जगदीश कश्यप.

SCT 2.3: विनयपिटक-चुल्लवग्ग- पारिवासिक वखन्धक

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) परिवास दंड प्राप्त भिक्षुचे कर्तव्य | Lectures : 15 |
| Unit No. 2 | 2) मूल-प्रतिआकर्षण दंड प्राप्त कर्तव्य | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) मानत्व दंड प्राप्त कर्तव्य | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) आवाहन प्राप्त कर्तव्य | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) विनयपिट्क - राहुल सांकृतायन- वाराणशी- 1994
- 2) विनयपिट्क - भदन्त जगदीश कश्यप.

SCT 2.4: अंगुत्तरनिकाय -- एक निपात

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | 1) रुपादिवग्गो, नीवरणपट्टानवग्गो, अकम्मनियवग्गो | Lectures : 15 |
|-------------------|---|----------------------|

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 2 | 2) अदन्तवग्गो, पणिहितअच्छवग्गो, विरियारंभवग्गो, | Lectures : 15 |
| Unit No. 3 | 3) कल्याणमित्तादिवग्गो, पमादादिवग्गो, अधम्मवग्गो, | Lectures : 15 |
| Unit No. 4 | 4) अनापत्तिवग्गो, एकपुग्गलवग्गो, अमत वग्गो. | Lectures : 15 |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) अंगुत्तरनिकाय---- मा. शं. मोरे (अनुवाद)
- 2) अंगुत्तरनिकाय--- VRI इगतपुरी- 1998

Generic Elective (Any one)

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|--|----------------------|
| Unit No. 1 | OET 2.1 :बौद्ध संस्कार पाठ – अभ्यास | Lectures : 15 |
| | 1) बौद्ध संस्कार जीवन पद्धति 2) बौद्ध संस्कार पाठ ओळख. 3) त्रिरत्न नमन -व्याख्या -अर्थ. | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) त्रिसरन – व्याख्या- अर्थ 2) पंचशिल- व्याख्या- अर्थ 3) अष्टशिल- व्याख्या- अर्थ | |
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1) दसशिल – व्याख्या-अर्थ 2) बुद्धपूजा- पूषप पूजा, प्रदीप पूजा, सुगंधी पूजा, चैत्य पूजा, बोधि पूजा. 3) बुद्धानुसति-वंदना- उद्देश-अर्थ 4) धम्मानुसति-वंदना-उद्देश –अर्थ | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1) धम्मानुसति-वंदना-उद्देश –अर्थ 2) संघानुसति- वंदना-उद्देश- अर्थ 3) रतनत्तय- वंदना- उद्देश –अर्थ 4) संकल्प | |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) बौद्ध दर्शन- पूजा----- भदंत धम्मपाल महास्थविर
- 2) बौद्ध-दर्शनमिमांसा — आचार्य बलदेव उपाध्याय.
- 3) बुद्ध आणि त्यांचा धम्म – डॉ. बी. आर. आंबेडकर.

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| Unit No. 1 | OET 2.2 :बौध्द संस्कृति | Lectures : 15 |
|------------|--|---------------|
| | 1) बौध्द जीवन पद्धति-मार्ग 2) विपस्सना--अभ्यास 3) बौध्द- प्रतिके-चैत्य, स्तुप, विहार | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) दर्शनिय स्थळे- 2) धम्मयात्रा 3) विद्यापिठे—नालंदा, तक्षशिला, वल्लभि | |
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1) बौध्द—संस्कार 2) बुध्द—परंपरा 3) बौध्द—संस्कृति-श्रमण-संस्कृति 4) बौध्द—भिक्षु- | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1) धम्मविचारवंत—बुद्धघोष, बुध्ददत्त, धम्मपाल, नागार्जुन, राहुल सांकृत्यायन, आनन्द कौसल्यायन धम्मनन्द कोसम्बी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर.. 2) बौध्द— राजे- बिंबिसार, पसेनजित, अजातशत्रु कालासोक, सम्राट अशोक, | |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) बौध्दसंस्कृति - पं. राहुल सांकृत्यायन
- 2) बौध्दसंस्कृति - भागचंद जैन
- 3) बौध्द-दर्शनमिमांसा — आचार्य बलदेव उपाध्याय.
- 4) बुद्ध आणि त्यांचा धम्म - डॉ. बी. आर. आंबेडकर.

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | OET 2.3 :बौद्ध धम्मसंगितिचा इतिहास | Lectures : 15 |
| | 1) प्रथम धम्मसंगिती: 2) कारण, कोणत्या काळात, अध्यक्ष, ठिकाण, राजाचा राज्यकाल 3) भिक्षुंचा सहभाग, किती काळ, निष्पन्न. | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) द्वितीय धम्मसंगिती: 2) कारण, कोणत्या काळात, अध्यक्ष, ठिकाण, राजाचा राज्यकाल, 3) भिक्षुंचा सहभाग, किती काळ, निष्पन्न. | |
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1) तृतीय धम्मसंगिती: 2) कारण, कोणत्या काळात, अध्यक्ष, ठिकाण, राजाचा राज्यकाल 3) भिक्षुंचा सहभाग, किती काळ, निष्पन्न. | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1) चतुर्थ धम्मसंगिती: 2) कारण, कोणत्या काळात, अध्यक्ष, ठिकाण, राजाचा राज्यकाल 3) भिक्षुंचा सहभाग, किती काळ, निष्पन्न. | |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) बौद्धसंस्कृति - पं. राहुल सांकृत्यायन
- 2) बौद्धसंस्कृति - भागचंद्र जैन
- 3) पालि साहित्याचा इतिहास.. डॉ. ग. वा. तगारे.
- 4) पालि साहित्य का इतिहास....डॉ. भरतसिंह उपाध्याय.

Max. Mark: 80

Total Lectures: 60 hrs

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| Unit No. 1 | OET 2.4 :बौद्ध मूर्ति कला | Lectures : 15 |
| | 1) बौद्ध कलेची उत्पत्ती 2) बौद्धकलेचे प्रकार | |
| Unit No. 2 | | Lectures : 15 |
| | 1) बौद्ध कलेची वैशिष्ट्ये | |

| | | |
|-------------------|---|----------------------|
| | 2) बौध्द कलेचा प्रसार | |
| Unit No. 3 | | Lectures : 15 |
| | 1) बुध्द मुर्तिची उत्पत्ती 2) गांधार कलाशैली | |
| Unit No. 4 | | Lectures : 15 |
| | 1) मथुरा कलाशैली. 2) सारनाथ कलाशैली. | |

संदर्भ ग्रंथ:

- 1) प्राचिन कला भारती— म. श्री. माटे- कॉन्टीनेन्टल प्रकाशन, विजयानगर, पुणे.
- 2) प्राचिन भारतीय मूर्तिविज्ञान—डॉ. वासुदेव उपाध्याय- चौखंबा प्रकाशन, वाराणशी.